समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 28 August 2026

# ‘स्टार वार्स’ और ‘इंडियाना जोन्स’ जैसे शोज के पोस्टर कलाकार ड्रू स्ट्रुज़न का 78 वर्ष की उम्र मे निधन

Sanket Morankar Published on 15 Oct 2025

ड्रू स्ट्रुज़न, हॉलीवुड के उन चुनिन्दा कलाकारों में से एक, जिन्होंने फिल्म पोस्टर कला को एक नई ऊंचाई दी, का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर की गई, जिसमें बताया गया कि वे लंबे समय से अल्जाइमर जैसी बीमारी से जूझ रहे थे और 13 अक्टूबर 2025 को उनका निधन हो गया।

ड्रू स्ट्रुज़न की कलाकृति आज भी हॉलीवुड की महान फिल्मों के प्रचार का हिस्सा है और उनकी शैली की वजह से उनका नाम पोस्टर आर्ट की दुनिया में सदाबहार बन चुका है। उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक ऐसी फिल्मों के पोस्टर बनाए जिनके किरदार और कहानी दर्शकों के दिलों में बस गए।

ड्रू स्ट्रुज़न को फिल्म पोस्टर कला का जादूगर कहा जाता था। उनकी तस्वीरें केवल पोस्टर नहीं थीं, बल्कि वे फिल्मों की आत्मा को कैनवास पर जीवंत कर देती थीं। उनकी कला की खासियत उनकी फोटोरियलिस्टिक शैली, जीवंत रंगों का प्रयोग और हर चित्र में भावनाओं की गहराई थी।

उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों के पोस्टर हैं –

- **स्टार वार्स: द एम्पायर स्ट्राइकस बैक**
- **इंडियाना जोन्स एंड द लास्ट क्रूसेड**
- **बैक टू द फ्यूचर**
- **द गूनिज**
- **द थिंग**

- **हैरी पॉटर एंड द सोरसरर्स स्टोन**

हर एक पोस्टर में डू ने फिल्म के केंद्रीय पात्रों और कहानी को इस तरह प्रस्तुत किया कि वो तुरंत ही दर्शकों के मन में घर कर गए।

डू स्ट्रुज़न का जन्म 1947 में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत छोटे स्तर की कला और विज्ञापन पोस्टरों से की थी। हॉलीवुड में उनकी किस्मत तब चमकी जब उन्होंने 'स्टार वार्स' के लिए पोस्टर बनाना शुरू किया। तब से वे लगभग हर बड़ी फिल्म का चेहरा बन गए।

डिजिटल युग आने से पहले की उनकी कलाकृति आज भी कला प्रेमियों के बीच बेशकीमती मानी जाती है। डू ने पारंपरिक पेंटिंग तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए फिल्मों को एक नई पहचान दिलाई।

डू स्ट्रुज़न के पोस्टर कला ने केवल फिल्म के प्रचार तक सीमित नहीं रही। उन्होंने सिनेमा की दुनिया में पोस्टर को एक कलात्मक अभिव्यक्ति का रूप दिया। उनकी कलाकृतियों ने फिल्म की कहानी का सार प्रस्तुत किया और दर्शकों के दिलों में एक विशेष जगह बनाई।

उनका काम दर्शाता है कि किस तरह एक कलाकार अपने ब्रश और रंगों के जरिए एक पूरी फिल्म की दुनिया बना सकता है। उनकी कला आज भी नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनी हुई है।

डू स्ट्रुज़न ने अल्जाइमर रोग के साथ लंबे समय तक संघर्ष किया। उनकी बीमारी के बावजूद उन्होंने कभी भी अपने काम के प्रति लगाव नहीं छोड़ा। लेकिन 13 अक्टूबर 2025 को इस महान कलाकार ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री और कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके चाहने वाले सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

डू स्ट्रुज़न की कला आज भी जीवित है। उनकी पोस्टर कला ने न केवल हॉलीवुड की फिल्मों को पहचान दी, बल्कि उन्होंने एक नई कला विधा को जन-जन तक पहुंचाया। उनके काम को देख कर यह साफ होता है कि एक पोस्टर भी कितना प्रभावशाली और जीवंत हो सकता है।

उनकी कला के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। उनके जाने से एक युग खत्म हो गया है, लेकिन उनकी बनाई हुई कलाकृतियां सदियों तक लोगों के दिलों में ज़िंदा रहेंगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.